

अध्याय - 14 | श्वसन और गैसों का विनियम

QUIZ PART-05

- सामान्य श्वसन के दौरान प्रति श्वास अंदर ली या बाहर निकाली गई वायु की मात्रा क्या कहलाती है?
 - अवशिष्ट आयतन
 - ज्वारीय आयतन
 - प्रेरक आरक्षित आयतन
 - निष्कासन आरक्षित आयतन(B)

व्याख्या: ज्वारीय आयतन (Tidal Volume) वह वायु है जो सामान्य श्वसन के दौरान अंदर ली या बाहर निकाली जाती है, इसका औसत लगभग 500 मि.ली. होता है।

- प्रेरक आरक्षित आयतन (IRV) का औसत कितना होता है?
 - 1000–1100 मि.ली.
 - 1100–1200 मि.ली.
 - 2500–3000 मि.ली.
 - 4000–4500 मि.ली.(C)

व्याख्या: प्रेरक आरक्षित आयतन वह अतिरिक्त वायु है जिसे सामान्य अंतःश्वसन के बाद अंदर लिया जा सकता है, इसका माप औसतन 2500–3000 मि.ली. होता है।

- निष्कासन आरक्षित आयतन (ERV) का औसत कितना होता है?
 - 500 मि.ली.
 - 1000–1100 मि.ली.
 - 1500–1600 मि.ली.
 - 2500–3000 मि.ली.(B)

व्याख्या: निष्कासन आरक्षित आयतन वह वायु है जिसे सामान्य श्वसन के बाद और अधिक बलपूर्वक बाहर निकाला जा सकता है, इसका माप 1000–1100 मि.ली. होता है।

- अवशिष्ट आयतन (Residual Volume) का माप औसतन कितना होता है?
 - 500 मि.ली.
 - 1000 मि.ली.
 - 1100–1200 मि.ली.
 - 1500 मि.ली.(C)

व्याख्या: अवशिष्ट आयतन वह वायु है जो पूर्ण निष्कासन के बाद भी फेफड़ों में बनी रहती है, इसका माप लगभग 1100–1200 मि.ली. होता है।

- अंतःश्वसन क्षमता (IC) का सूत्र क्या है?
 - IRV + TV
 - ERV + RV
 - IRV + ERV
 - TV + RV(A)

व्याख्या: अंतःश्वसन क्षमता वह वायु है जो सामान्य निष्कासन के बाद अंदर ली जा सकती है, इसका सूत्र है — IC = IRV + TVI

- निष्कासन क्षमता (EC) किन दो आयतनों का योग है?
 - ERV + RV
 - ERV + TV
 - IRV + TV
 - TV + RV(B)

व्याख्या: निष्कासन क्षमता सामान्य अंतःश्वसन के बाद निकाली गई कुल वायु मात्रा होती है — EC = ERV + TVI

- फेफड़ों की कार्यात्मक अवशिष्ट क्षमता (FRC) क्या दर्शाती है?
 - फेफड़ों में कुल वायु
 - निष्कासन आरक्षित आयतन और अवशिष्ट आयतन का योग
 - प्रेरक आरक्षित आयतन और ज्वारीय आयतन का योग
 - केवल अवशिष्ट आयतन(B)

व्याख्या: FRC (Functional Residual Capacity) वह वायु मात्रा है जो सामान्य निष्कासन के बाद फेफड़ों में रहती है — FRC = ERV + TVI

- जैव क्षमता (Vital Capacity) का सूत्र क्या है?
 - IRV + TV + ERV
 - ERV + RV + TV
 - IRV + ERV + RV
 - IRV + RV + TV(A)

व्याख्या: जैव क्षमता वह वायु है जिसे अधिकतम अंतःश्वसन या निष्कासन के दौरान अंदर लिया या बाहर निकाला जा सकता है — VC = IRV + ERV + TVI

- फेफड़ों की कुल क्षमता (TLC) किन चार आयतनों का योग है?
 - IRV + TV + ERV + RV
 - IRV + ERV + FRC + VC
 - TV + RV + FRC + ERV
 - केवल VC + RV(A)

व्याख्या: फेफड़ों की कुल क्षमता (TLC) फेफड़ों में उपस्थित कुल वायु मात्रा है — TLC = IRV + TV + ERV + TVI

- स्पाइरोमीटर (Spirometer) का उपयोग किस लिए किया जाता है?
 - रक्तचाप मापने के लिए
 - हृदय गति मापने के लिए
 - फेफड़ों की आयतन और क्षमताएँ मापने के लिए
 - रक्त में ऑक्सीजन मापने के लिए(C)

व्याख्या: स्पाइरोमीटर का उपयोग फेफड़ों की कार्यात्मक क्षमताओं और विभिन्न श्वसन आयतनों के मापन हेतु किया जाता है।